॥ बृहस्पति देव की आरती ॥

Chalisamantras.com

ॐ जय बृहस्पति देवा,
स्वामी जय बृहस्पति देवा,
छिन छिन भोग लगाऊँ,
कदली फल मेवा,
ॐ जय बृहस्पति देवा ।

तुम पूर्ण परमात्मा, तुम अन्तर्यामी,
स्वामी तुम अन्तर्यामी,
जगतपिता जगदीश्वर,
तुम सबके स्वामी,
ॐ जय बृहस्पति देवा ।

चरणामृत निज निर्मल, सब पातक हर्ता,
स्वामी सब पातक हर्ता,
सकल मनोरथ दायक,
कृपा करो भर्ता,
ॐ जय बृहस्पति देवा ।

तन, मन, धन अर्पण कर,
जो जन शरण पड़े,
स्वामी जो जन शरण पड़े,
प्रभु प्रकट तब होकर,
आकर द्वार खड़े,
ॐ जय बृहस्पति देवा ।

दीनदयाल दयानिधि, भक्तन हितकारी,
स्वामी भक्तन हितकारी,

Chalisamantras.com

पाप दोष सब हर्ता,
भव बंधन हारी,
ॐ जय बृहस्पति देवा ।

सकल मनोरथ दायक,
सब संशय हारो,
स्वामी सब संशय हारो,
विषय विकार मिटाओ,
संतन सुखकारी,
ॐ जय बृहस्पति देवा ।

जो कोई आरती तेरी,
प्रेम सहित गावे,
स्वामी प्रेम सहित गावे,
जेष्ठानन्द आनन्दकर,
सो निश्चय पावे,
ॐ जय बृहस्पति देवा ।

ॐ जय बृहस्पति देवा,
स्वामी जय बृहस्पति देवा,
छिन छिन भोग लगाऊँ,
कदली फल मेवा,
ॐ जय बृहस्पति देवा ।

सब बोलो विष्णु भगवान की जय,
बोलो बृहस्पति देव भगवान की जय ।

Chalisamantras.com

Chalisamantras.com